भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
16.07.2014 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 940

भारी जल का उत्पादन

940. श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का हजीरा में भारी जल के उत्पादन के लिए एक और इकाई लगाने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस उद्देश्य के लिए कितनी निधि आबंटित की गई है; और

(घ) इस संयंत्र के कब तक उत्पादन शुरु करने की संभावना है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) तथा (ख) परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के एक संघटक यूनिट भारी पानी बोर्ड (एचडब्ल्युबी) ने, अपनी भारी पानी उत्पादन की क्षमता में वृद्धि करने के लिए अमोनिया हाइड्रोजन विनिमय प्रक्रिया पर आधारित, अपने मौजूदा भारी पानी संयंत्रों में से एक में भारी पानी के उत्पादन हेतु एक अतिरिक्त स्ट्रीम की स्थापना के लिए विकल्पों के तकनीकी-वाणिज्यिक मूल्यांकन हेतु एक गतिविधि प्रारंभ की है। हजीरा स्थित भारी पानी संयंत्र को अमोनिया की मात्रा मैसर्स कृभको, हजीरा के संयंत्र से प्राप्त होती है। मैसर्स कृभको, हजीरा से उनके द्वारा उस नए अमोनिया संयंत्र के लगाने की उनकी योजना के बारे में पुष्टि करने के लिए सम्पर्क किया गया है, जो हज़ीरा में भारी पानी उत्पादन के लिए अतिरिक्त स्ट्रीम हेतु फीड दे सके।

(ग) ब्यौरेवार परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप दिए जाने के बाद, निधि की आवश्यकता का विस्तार से विवरण दिया जाएगा।

(घ) परियोजना की संस्वीकृति के बाद इसके क्रियान्वयन में पाँच वर्ष लगने की संभावना है।

* * * * * * *